

DPN 6329

Title : नक्षत्र फल NAKSATRA PHALA

Run. No. 7020

Cat. No. 34

Micro. No.

Subject Astrology

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20.8 x 7.8

Folios 14

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratn a Bajra char

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Colour pictures of बुध, बृहस्पति

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

शुक्र, शनिश्चर, राहु, केतु

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

मूद नक्षत्रया विधातादि देवता ॥

कातमृदुद२माहावाविद्यंतशाद१२श्रुतिशात्रकल्पाशा
द१५हीखंद्यानद२०मावालिमिलीनद्यानखंद३०व्यंतग
मथनरुपसुसाद२०मायू॥ ११॥उग्रसुनिनरुमादि
गतप्रिममृदुलमप्रममप्रलेहानाहानमनूकशानिहिह
मखदखिनदानशदिलकप्रमिहना॥ १२॥थमृताज्ञातवापि
वमंदनहतिदप्रशवनविद्यासमृसलरुनिवदुताहाप्रिव
तऊवकदवधुजाहाप्रुमाखंस्यानलप्रविना१४आवाझं२

काप्रमुखादयुक्ता रू सिद्धि स्नान तारु कृत्वा सा नि सदां प्राणामा
नेदयु र्हे सामद ला जि ध्या त सुहा व ना ग धा तु वा त म कौल स्वा
सका स मि त्वा सा क श्र ति स्ना न श्र का न म् रु द १ ना ला वा धि य
त ना ग क रू गु ह न पि दा प्रा मु ॥ ८९ सा न धा य रु व द २९ स्वा
हा ने न क ति नि व द २० ति धे व न म् रु र्व द ३३ मो वा या का न
न स श्र थ वा स ग म स द्या न म् रु र्व ध्या न रु य रु सा द ५० मा धू २॥
॥ रु स्न न रू उ मा सा वि रि ध व ता का स्य व ह म रु सि वा हा न म स स व द

खि न द्वा ल न क र्व न वू द्ध क र क न्मा ना सि श्र थ सु ता हा त न रु व
न प्रा सा दि क स म स्त ना क व रु व क्षा य मा न हा ग मि थु न स न य ॥
वि स्वा सि सु वा न का स दु खि नि धि सु खि ना रु सि व क ल्पा य मो व न स
धन ना यु कि ना ल त म का ति रु ग्म व ४ प्र म रु य्या व न स न य श्र मा
न म रु न लो क य ति मा न मा क सि न रु द व्या नि क व्या हा न रु य न व
वै ल य रु ति य रु न व स म रु न श्र ष न ४ प्र ॥ आ वा या ना मि ति न
य स मु थ त ४ रा व श्र हा न स म स्त य व रु व ना न पि र्ति श्र ति

नमो नमो तस्मा क मिखासा क अ कान मृ कृ द १ खान म ह द १ २ स
प्रा रू प थ ति सा न म कृ ष ३ २ न स ग म म रु य द ६ ० म्मा रु प
म म्मा रु प थ त रु य रु त सा द ६ ० म्मा य ॥ १३ ॥ ४ वि न न द रु या
० ० नु द व ता क्मा स वा वा दान ना द स जा ति वा यु स ल ड दि न वा न वि
० ० व लु वू व कृ त ना सि या द २ ० ल ना सि या द २ थ सु ता जा त न क व
० ० व न न वा वा न ना रु द य द स द सानु न रु म न प रू व व य द स ०
सु षी यु नू व रु त साना स्ती सा सा व लो यु य वि व न म का नि भ व रु य

म रू म्मा र व न स न म अ रि मा न म रु न न क व ति वा न या प्रु सि न ही
० वा हा न न प न व र न य र वि व द न र व स म य ल श र व न स यू द्मा
या या नि मि ति ल दू व स यू न ग वा त ल्मा मि खा सा क अ ति सा न अ
का न मृ कृ द १ १ स र्प या रु प द ३ ० न स ग म म पा रु प द ६ ० म्मा रु प
थ त रु प रु सा द १ १ म्मा य ॥ १४ ॥ म्मा ति न क रु या न क ता न प र्क द
मृ ह रु का या य नि ल म रु द न वा हा न द व रु ति म दि ष स ल ड दि
न न ० ० क रु क रु ल्मा ना सि अ थ सु ता जा त वि र्क व लु वा य ० ० का म द

२४ इति दयुवलवक ४७ धिनवा ४८ शेषन सनप विद्यासमुकुसनक
म्यामवैज्ञानक म्यानाउ सवक कापदा कंदय ७ ४९ यामा निमित्त
न दुखस्य युधि नानरुक्व इवानरु मिव धनवक इयु चिरा यधन
मामु पुनरुष इनसां सिस्व सावध धिन मित्रशसत्या क्रायु र्त्तमहि
इतम कारिभवस्य मरु मेव पावयन्म महु इम्य सखिं सनम सनइ
इस्वानव सत्त सनय नाना आस मुनाना वु धिद्विसद थन ४८ सावध गुरु वा
रुधिरु श्रुतिसान कामन मानस्या क नाना। याद्विषया तस्या क धन ४९

४९ श्रुतानमृदु दं ८० यतस्या क ४९ स कासद २ ८ वाग विरु चि कुव
प्ररुवमृदुषं द ३० यतस्या कद ८० यतस्य प्रसक्त प्रारुष थन ४९
प्ररुतसा द १११ म्यायु ४॥ १५ ॥ विसाखन कुरुप्रा ००० रुद्रिदवता
रुसिवा लान नाक्ष सजाति आयु सख डकिन दान श्रुमदन ४९ क
कुरुपाद ३ श्रुतानमृदु १ विष्णु नासि पाद १ रुत नासि पाद ३ श्रु थसु
ना जात इति द यिव वनवक ४९ ४९ प्रिववान क सदा दं विडल्या
मयान ससा ठिना ना हि वौ नानादख स यिव प्या सुता प्रदय श्रुनान

वक्षु दपु कतातना प्रिव वयन रुता प्रु चिना न व नि ज्ञा न क म्म आ
सपु य सु सा गि धन धा लिव सु मा हा ति इ प्रु का क व य न द य द
ध ला गा मा न्ना रु ता प्रु श्रु सं ता धि श्रु क म्म मा प्रु क य ति स्व हा व
म स रि व स ल य धा त स्व हा व ला ग धा तु वा त वि र्द प्यं त ना ग ह न
दा य धां दु ना ग श्रु का न म्म त्क दं १ स्वा स का स दं २ व्या त ना ग दं ३
रु न का प्रु दं २८ मा हा या वि दं ३१ ख पा रु प्र व्यं त स्या प्रु दं ७०
ज्ञा त दा य धा त रु प्र रु सा दं ७१ म्मा प्रु ४॥ १५ ॥

रु न ना रु न क उ प्र ा र्दं स वा हा न द व ज्ञा त मे उ द व ता वे सु र्व मा
धि द व ता श्रु ल या प्र नि ल म्म प्र म्म ग स ल वि र्द व लु य चि म्म दान र्श
ग म ल क उ वि र्द ल सिस पु र्क श्रु थ सु ता ज्ञा त मा ह न्द म्म लु न मा हा
रु नि इ प्रु र्वं क्क म्म क्क ल य व विं का रि क्क म्म आ क म्म धा न वि ल
स म्मा प्रु ध म्म व र्क स म्म स ना क व वि ति वा य स स रि व व धु द
प्रु म व व द मा ना प्रु र्वं क्क म्म क्क व द्वा रि क्क प्रु म ना धि क त म्म
का नि ७ थं पु ला गा धा त स्व हा व र्का म्म ना दा मा धि धा त स ल

नक्षत्रमाला रत्न ३४

गद्यत रुप्ररुसाद १० म्मापु ॥ १७ ॥ मृत्तन कठयावकाता ५५॥
नवादानसलसता यद्वि सदान वृत्ति कठ धनूनासि श्रु धसुता जा
त माहा वु धि वक्त माहनु मंदन श्रु जत सत यथ क्त पुनू वस्तु स्वहा
व माहा माप्रा त्या गा न ति पिम धन ध निव त नून व न स धन मा मुव
विहा म द्या या सि नापु किं क न ठ व ना ग क्त पि र्द प्य त स्या क द ५
पारु प्र भ कान म् क द ८ इत द १२ सिमान क ति निव क्त न य त स्यो
क द ८ ० प्रारु प्र सि र्ज द्या न सपु थ त रु प्र रु साद ११ म्मापु ॥ १८ ॥

महाविद्यालय नजीबा

पूर्वोत्तरादन कठया शप दवता हनु मना द व ता वा च ति वा दान माव
क ता ती सा स त क म्मी न ह म त य विष्णु म दान वृत्त्य ति क ठ धनूनासि
श्रु ध सुता का त स्या म व लु माहनु मन्त्र न धर्म य र्त्त थुन स लि त सीता
विद्वि ना न स म स नो क व पि ति धन मा थ म्पु ना ज स व क स ग म
पारु प्र इ न स निर्या त वा न क स दु वि ति थं सु रि व द्या द्या क म्
न ना रु दु ल्या य प व क्ता वा द ८ का य मा या द य्म श्रु धि न व व न म्मा
न व वृ म्म हि क थ त स्व हा व ना ग क्त पु वार्त्त व्या धि आ पा त स्या क द्वा

[illegible]

३
 श्रुथान् श्रुथलारु
 चंसी श्रुथलारु
 श्रुथननरु वृथिलारु
 वृपनमारु नदायु
 वृरु मिचुगशयु
 श्रुथविनाश
 श्रुथसुखशयु
 नामान्



१ सा दानविषय
 २ ग्रहपतिलु
 ३ गुरुदधन
 ४ गुरुदया
 ५ मिनाप्रवृत्ता
 ६ गुरुदया
 ७ गुरुदधन
 ८ गुरुदधन

कं गुरु

९ श्रुथलारु मित्रा ॥ १० श्रुथलारु मित्रा ॥
 नकवृ

सि वथु मित्रा ॥ ११ ॥

४
 श्यामागदुखगाम
 रं प्यतस्मात्
 शंखनिवधकुरु
 वृद्धवलाह
 वृमानदिने
 शुक्लीलाह
 भक्तवह
 नाकर



१ श्यामवृद्धा
 २ शंखनिवधकुरु
 ३ वृद्धवलाह
 ४ वृमानदिने
 ५ शुक्लीलाह
 ६ भक्तवह
 ७ नाकर

कनाका

वृद्धवलाह ॥ नमः ॥ लुप्तका द्याद

२
 सुली विद्यागालरु
 वी का वि दाम्भक
 श्रुतया कनरुप
 वृत्तिमा ककल क
 वृत्थलाक
 भुजफना
 लविवाद दाम्भ
 नानानारुप



१ पाथमायमान
 ३ सुदवतायुगा
 ७ यदयतिलु
 ८ पितवग
 ९ सुदवतायु
 १० शार्गपूजा
 १२ पितवगुक्ति

ककनह

१ पृथ्वक्षिभ्रह्म ॥ ७ ॥ पितवस्तुतु

सुतागणनास
 वंसुषधनलारु
 मंअक्रनाअ
 वृकलंकदायू
 वृदुषरुयू
 अनागउत्यति
 अलिकीजा



असनदानविष
 नगदयतिअहा
 १०गदयति

नासुरु
 कामान्य

१०३कगह॥अन॥कमगूनीस७

सुप्रातः नोपैत्या क
 चरुमिसम्योला रु
 म नो ७७ दुख
 वृक तलम सिंड
 वृ नानाला रु
 ७७ मिश्रा केदु
 सथ वरुन व काय
 ना विज



१ पाथयामात्र
 २ गुहवति
 ३ रुतपात्र
 ४ सादानवि
 ५ पाथयामात्र
 ६ पिथसिदा
 ७ मातामाहमासन
 ८ कवनवि

१२ मान ३३३
 २२ मान ३३३
 ३२ मान ३३३
 ४२ मान ३३३
 ५२ मान ३३३
 ६२ मान ३३३
 ७२ मान ३३३
 ८२ मान ३३३
 ९२ मान ३३३
 १०२ मान ३३३
 ११२ मान ३३३
 १२२ मान ३३३
 १३२ मान ३३३
 १४२ मान ३३३
 १५२ मान ३३३
 १६२ मान ३३३
 १७२ मान ३३३
 १८२ मान ३३३
 १९२ मान ३३३
 २०२ मान ३३३
 २१२ मान ३३३
 २२२ मान ३३३
 २३२ मान ३३३
 २४२ मान ३३३
 २५२ मान ३३३
 २६२ मान ३३३
 २७२ मान ३३३
 २८२ मान ३३३
 २९२ मान ३३३
 ३०२ मान ३३३
 ३१२ मान ३३३
 ३२२ मान ३३३
 ३३२ मान ३३३
 ३४२ मान ३३३
 ३५२ मान ३३३
 ३६२ मान ३३३
 ३७२ मान ३३३
 ३८२ मान ३३३
 ३९२ मान ३३३
 ४०२ मान ३३३
 ४१२ मान ३३३
 ४२२ मान ३३३
 ४३२ मान ३३३
 ४४२ मान ३३३
 ४५२ मान ३३३
 ४६२ मान ३३३
 ४७२ मान ३३३
 ४८२ मान ३३३
 ४९२ मान ३३३
 ५०२ मान ३३३
 ५१२ मान ३३३
 ५२२ मान ३३३
 ५३२ मान ३३३
 ५४२ मान ३३३
 ५५२ मान ३३३
 ५६२ मान ३३३
 ५७२ मान ३३३
 ५८२ मान ३३३
 ५९२ मान ३३३
 ६०२ मान ३३३
 ६१२ मान ३३३
 ६२२ मान ३३३
 ६३२ मान ३३३
 ६४२ मान ३३३
 ६५२ मान ३३३
 ६६२ मान ३३३
 ६७२ मान ३३३
 ६८२ मान ३३३
 ६९२ मान ३३३
 ७०२ मान ३३३
 ७१२ मान ३३३
 ७२२ मान ३३३
 ७३२ मान ३३३
 ७४२ मान ३३३
 ७५२ मान ३३३
 ७६२ मान ३३३
 ७७२ मान ३३३
 ७८२ मान ३३३
 ७९२ मान ३३३
 ८०२ मान ३३३
 ८१२ मान ३३३
 ८२२ मान ३३३
 ८३२ मान ३३३
 ८४२ मान ३३३
 ८५२ मान ३३३
 ८६२ मान ३३३
 ८७२ मान ३३३
 ८८२ मान ३३३
 ८९२ मान ३३३
 ९०२ मान ३३३
 ९१२ मान ३३३
 ९२२ मान ३३३
 ९३२ मान ३३३
 ९४२ मान ३३३
 ९५२ मान ३३३
 ९६२ मान ३३३
 ९७२ मान ३३३
 ९८२ मान ३३३
 ९९२ मान ३३३
 १००२ मान ३३३

फरणी चरत न ज्ञानार्थ

४
 भृगु कुरु यथा शांता रास
 च मित्रा भ्या कदाय
 शृंगु कुरु यथा शांता रास
 वसुदेव कुरु
 वृक्षार्थतामस नला
 पुनः श्रीदाय
 अधन विप्रा शांता रास
 मान्य



१ सददान
 २ भाग्य
 ३ कर्तव्यसंज्ञा
 ४ सददान
 ५ समसां गत
 ६ कुरुदेवतापुत्रा
 ७ खनसद
 ८ कर्तव्यसंज्ञा

विज २

शांता शांता रासदाय
 च मित्रा भ्याय
 शृंगु कुरु
 वसुदेवला कुरु
 वृक्षार्थला कुरु
 पुनः श्रीदाय
 अधन विप्रा शांता रास
 मान्य

१ नादगुरु ॥ या० ॥ यत्र वा त्वमस्यागच्छत

मङ्गलार्थे तासिदि १०
 चकार्यैषाकारिदिन
 मङ्गलकक्षय
 वृधनसखक्षय
 वृधनरुक्म
 शुवि कना ४
 मङ्गल विद्यानास
 नासाह
 कदुष्य



१ चानसदान
 २ चानसदान
 ३ शुभप्रदुजा
 ४ चानसदान
 ५ विवमपेरुम्
 ६ चानसदान
 ७ चानसदान
 ८ चानसदान
 ९ चानसदान
 १० चानसदान

आमान्यलारु
 रीधर्षकाणी
 रीधर्षलारु
 वृक्किमिठलारु
 वृक्किमिठलारु
 वृक्किमिठलारु
 वृक्किमिठलारु
 वृक्किमिठलारु
 वृक्किमिठलारु
 वृक्किमिठलारु

१२ कर्तुगह नाम
 मङ्गलार्थे तासिदि
 चकार्यैषाकारिदिन
 मङ्गलकक्षय
 वृधनसखक्षय
 वृधनरुक्म
 शुवि कना ४
 मङ्गल विद्यानास
 नासाह
 कदुष्य

चानसका तानि
 कर्तुगह नाम
 मङ्गलार्थे तासिदि
 चकार्यैषाकारिदिन
 मङ्गलकक्षय
 वृधनसखक्षय
 वृधनरुक्म
 शुवि कना ४
 मङ्गल विद्यानास
 नासाह
 कदुष्य

